पूर्वांचल-बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे किनारे इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक क्लस्टर बनेंगे

600 हेक्टेयर जमीन का होगा अधिग्रहण व खरीद, उद्यमियों की सुविधा और रोजगार पर विशेष ध्यान

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। पूर्वांचल और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग व लॉजिस्टिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। सरकार ने वैश्विक निवेशक सम्मेलन (जीआईसी) में करार करने वाले उद्यमियों को उद्यम के साथ गोदामों की जमीन उपलब्ध कराने के लिए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बाराबंकी, गाजीपुर, जौनपुर और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को गोरखपुर से जोड़ने वाले गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर गोरखपुर में सौ-सौ हेक्टेयर भूमि चिह्नित की है। इसी तरह बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर बांदा व जालौन में सौ-सौ हेक्टेयर जमीन का चयन किया गया है।

जीआईसी में 33.50 लाख करोड़ के करार हुए हैं। इनमें पूर्वांचल में 5406 निवेशकों ने 9,54,492.08 करोड़ और बुंदेलखंड में 424 निवेशकों ने 4,27,873 करोड़ के करार किए हैं। निवेशकों को उद्यम स्थापित करने और तैयार माल रखने के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता जमीन की है। इस आवश्यकता को पूरी करने के लिए सरकार ने इन दोनों एक्सप्रेसवे के किनारे क्लस्टर विकसित करने की कवायद शुरू की है। छह जिलों में कुल 600 हेक्टेयर भूमि अधिगृहीत और खरीद की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर खरीद बढ़ाई भी सकती है। पहले चरण में भूमि खरीद की कार्यवाही के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने अपनी 25 सेक्टरोल पॉलिसी में निवेशकों को पूर्वांचल व बुंदेलखंड में निवेश करने पर विशेष रियायत देने की व्यवस्था भी की है।

उद्यम, ऑफिस व गोदाम के लिए मिलेगी जमीन

क्लस्टर में उद्यम स्थापित करने, बड़ी कंपनियों को ऑफिस खोलने व गोदाम के लिए जमीन उपलब्ध होगी। इस पहल से दोनों क्षेत्र में औद्योगिक विकास में मदद मिलेगी।

एक्सप्रेसवे से 10 किमी की परिधि में होगा संकुल

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के नोडल अधिकारी केके अस्थाना ने बताया कि ये क्लस्टर एक्सप्रेसवे से 10 किलोमीटर की परिधि में आबादी से करीब होंगे, ताकि उद्यम में आसपास के मानव संसाधन का उपयोग हो। रोजगार मिलने से गांवों से शिक्षित युवाओं के पलायन रुकेगा।